

# Mukhya Mantri Himachal Health Care Scheme (HIMCARE) Launched on 1<sup>st</sup> January, 2019



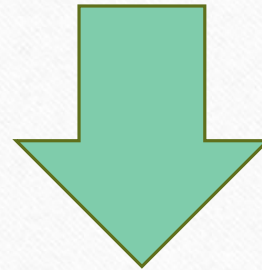
Amitabh Awasthi, IAS  
Secretary (Health)  
Government of Himachal Pradesh



# Target Group

Beneficiaries not covered under  
Ayushman Bharat-Pradhan Mantri Jan  
Arogya Yojna

Not having the facility of  
Government Medical  
Reimbursement

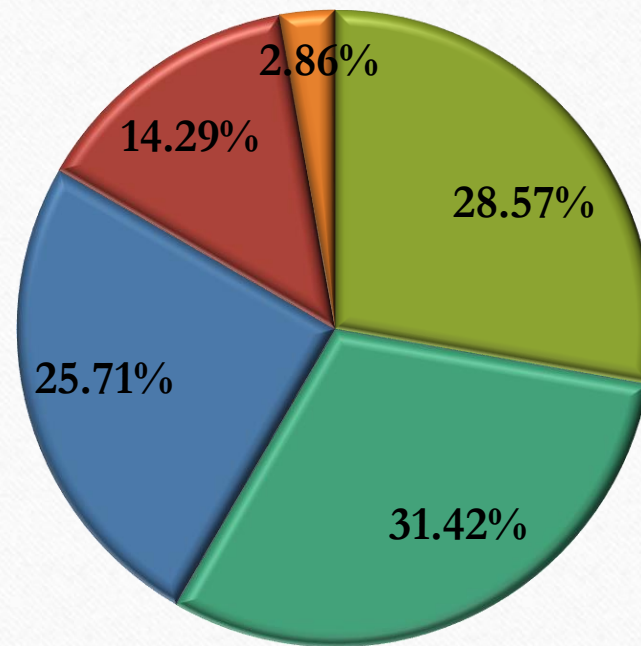


**HIMCARE**



# Himachal Pradesh- On the way to Universal Health Coverage

Total families covered under various schemes after universalizing the health security in HP



- Ayushman Bharat
- HIMCARE
- Regular Govt Employees/ Pensioners
- ESI
- CGHS

# Features



Rs. 5 Lakh cover per family per year



5.13 Lakh families covered



222 Empanelled Hospitals (85 Private) In HP and PGI Chandigarh & GMCH Chandigarh



BES- Option to self apply or through LMK/CSC



E-Card System



Rs. 85.00 Cr. Budget Provision



Assurance Mode



Implementation Support Agency



Online Reimbursement by SHA



Treatment on the basis of pre defined package rates- same as in Ayushman Bharat



Differential subsidized premium



Yearly Renewal



# Differential Premium Slab

Target group	Premium amount
BPL , Registered Street Vendors, MNREGA (Not covered under Ayushman Bharat), Sr. Citizens above 70 years of age, Orphan Children living in Orphanages	Zero ( Documents mandatory for authentication)
<ul style="list-style-type: none"> <li>• Ekal Naaris</li> <li>• Disabled &gt;40%</li> <li>• Anganwari Workers</li> <li>• Anganwari Helpers</li> <li>• ASHA</li> <li>• Mid-Day meal workers</li> <li>• Daily Wage Workers</li> <li>• Part Time</li> <li>• Contractual Employees</li> <li>• Outsource Employees</li> </ul>	Rs. 365 per year ( Documents mandatory for authentication at the time of enrollment)
All others not covered under PMJAY and Medical Reimbursement	Rs 1000 per year

# Milestones Achieved

**Families Covered- 5.13 lakh**

**Number of Patients Treated- 1.96 lakh**

**Amount of Treatment Provided- 180.00 Cr**



# Additional Packages

Package Name	Package Amount
Renal Transplant	Rs. 4.50 lakh
Cardiac Re-synchronization Therapy	Rs. 3.72 lakh
Intra Cardiac Defibrillator Insertion	Rs. 3.20 lakh
Intravascular Ultrasound Catheter	Rs. 45,000
Optical Coherence Tomography	Rs. 72,800





## हिमकेयर योजना में हिमाचल को स्कॉच ऑर्डर ऑफ मेरिट अवार्ड

अमर उजाला ब्यूरो

शिमला। हिमकेयर योजना में बेहतरीन कार्य करने पर हिमाचल स्वास्थ्य बीमा योजना सोसायटी को 'स्कॉच ऑर्डर ऑफ मेरिट अवार्ड' से सम्मानित किया गया है।

सोसायटी को यह अवार्ड सोमवार को नई दिल्ली के कौन्स्टीट्यूशन क्लब में आयोजित 56वें स्कॉच समिट में दिया गया। यह स्कॉच अवार्ड हिमाचल प्रदेश स्वास्थ्य बीमा योजना सोसायटी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी और विशेष

हिमाचल प्रदेश में जो परिवार आयुष्मान भारत में कवर नहीं हैं, उनके लिए प्रदेश की ओर से हिमकेयर योजना आरंभ की है। यह योजना 1 जनवरी 2018 को शुरू की गई है। सरकार की प्रति वर्ष स्वास्थ्य बीमा योजना को प्रोत्साहित किया गया है। डॉ. रा. कुशल संचालित किया गया है।

## राहत: अब पीजीआई में भी चलेगा हिमकेयर कार्ड

आयुष्मान और हिमकेयर 51 प्राइवेट अस्पतालों में भी शुरू

हिमाचल दस्तक ब्यूरो। शिमला

देश के मरीज अब चंडीगढ़ में हिमकेयर कार्ड पर करवा सकेंगे। वहीं, हिमकेयर 51 अस्पतालों में भी लागू शुरू किया जा रहा है। इस योजना में एक लाख बीमारियों के लिए एक का इलाज मुफ्त मिलेगा।



दोनों स्कीमों में अब तक 47 हजार मरीजों का निशुल्क इलाज

यह भी विशेष वर्गों के लिए बनाई जाती थी। प्रदेश की जनता को अब प्रदेश के सरकारी अस्पतालों के साथ 51 प्राइवेट अस्पतालों में भी

योजना शुरू की जो हर वर्ग के लिए, जिन्हें किन्हीं से भी मेडिकल भर्ती मिलता हो। इस योजना में हर वर्ग के स्वास्थ्य का ध्यान रखा गया है। प्रदेश में आयुष्मान कार्ड के तहत 735784 कार्ड चुके हैं।

वहीं प्रदेश सरकार हिमकेयर योजना के तहत दोपहर तक 6.38 लाख कार्ड बनाए जा चुके थे। यह है कि आयुष्मान भारत में

## रोग से डरो न, आयुष्मान और हिमकेयर हैं न

रमेश सिग्गा • शिमला

केंद्र और राज्य सरकार की स्वास्थ्य बीमा योजनाएं हैं न तो किसी रोग से डरो न। जो हों, कोरोना काल में भी केंद्र सरकार की आयुष्मान भारत और हिमाचल सरकार की हिमकेयर स्वास्थ्य बीमा योजना सुरक्षा कवच साबित हो रही हैं। इन योजनाओं से हिमाचल के करीब 13 लाख परिवारों को सहायता मिली है। हिमकेयर से 463365 और आयुष्मान भारत से 836285 परिवारों को स्वास्थ्य बीमा कवर मिला है। इन योजनाओं के तहत अभी तक 138239 मरीजों का निशुल्क इलाज करवाया गया है।

केंद्र की मोदी सरकार ने गरीबों का पांच लाख का स्वास्थ्य बीमा करवाया तो हिमाचल सरकार इसी के समानांतर एक और योजना हिमकेयर लाई। देश के लिए संकट का वक़्त चल रहा है। ब्रेक भारत के हाल दूसरे कोरोना प्रभावित कई देशों से बेहतर हैं, पर खतरा तो है ही। छोटे-बड़े रोजगार खत्म हो गए।

कवरस करोड़ों लोगों का रोजगार लौल गया। ऐसे में अगर कोई बीमार हो जाए तो परिवार की तकलीफ और

### जागरण विशेष

हिमाचल के 13 लाख परिवारों का हुआ स्वास्थ्य बीमा कवर

### केस स्टडी

सिरमौर के निरधार क्षेत्र के कोटी-बोंघ निवासी हर सिंह के बेटे को पिछले साल दिसंबर में चोट लगी। पहले उतराखंड के विकासनगर में निजी अस्पताल में इलाज करवाया। करीब साढ़े सात हजार खर्च आया, पर आराम नहीं हुआ इसके बाद वे को शिमला के आइजीएमसी पहुंचाया गया। गरीब परिवार से संबंध रखने के बावजूद किसी भी योजना का कार्ड नहीं बना था। जब डॉक्टर लगी तो तभी मालूम हुआ कि सरकार की ऐसी योजना भी है। हर सिंह ने तभी ठान लिया कि अब योजना में नाम जरूर दर्ज करवाया जा

आयुष्मान भारत और हिमकेयर योजना हिमाचल के लिए वरदान साबित हो रही है। हिमकेयर में पांच लाख रुपये तक का बीमा होता है। इसका जनता से काफी अच्छा फीडबैक आया है। लोग सरकार की योजना की काफी सराहना कर चुके हैं। राज्य सरकार लोगों के स्वास्थ्य हितों को लेकर अत्यंत खेदनाशील है। केंद्र की योजना को भी प्रभावी तरीके से क्रियान्वित किया जा रहा है।



## कोविड काल में हिमकेयर व आयुष्मान योजना जनता के लिए वनी व अस्पतालों में हिमकेयर व आयुष्मान कार्ड से फ्री इलाज

बंगारवा, (आपका कैसला)। राष्ट्रीय विकास परिषद् की राज्य मंत्री कुंज कुमार पटुवाल ने बीजेपी के कार्यकर्ता को बताया कि कोविड-19 मरीजों को संरक्षण में वृद्धि के लिए राज्य सरकार ने हिमकेयर और आयुष्मान भारत योजना के तहत कोविड-19 रोगियों को कोविड के लिए समर्पित पंजीकृत निजी अस्पतालों में निशुल्क उपचार प्रदान करने का निर्णय लिया है। कोविड काल में सरकार की इस योजना का संरक्षण परिवारों को लाभ पहुंचा है। उसके लिए सरकार का अर्थ प्रकट करता है। उन्होंने कहा कि आयुष्मान भारत के तहत 5.16 लाख परिवार और राज्य सरकार की हिमकेयर योजना के तहत 5.93 लाख परिवार पंजीकृत हुए हैं। और यह सभी परिवार अब कोविड-19 के निशुल्क उपचार के लिए पात्र हैं। राज्य सरकार ने प्रदेश में पिछले कुछ दिनों में अतिरिक्त भंडारण क्षमता को लगभग 45 मीट्रिक टन बढ़ाने के अलावा पोस्टल ऑनलाइन संपर्कों को कार्यान्वित करने में सफलता प्राप्त की है। केंद्र ने कहा कि हिमकेयर और आयुष्मान भारत योजना के तहत जिला ऊर्ध्व में 98.01 प्रतिशत परिवारों ने अपना पंजीकरण करा लिया है। जिला के पास 24,456 परिवारों में से 27 अप्रैल 2021 तक



23,990 परिवारों ने पंजीकरण करवाया दिया है। उन्होंने कहा कि पहले पंजीकरण 70.17 प्रतिशत था, लेकिन पशुपति प्रसाद ने सभी के सहयोग से इसे अब बढ़ाकर 98.01 प्रतिशत कर दिया है। उन्होंने बताया कि 19 नवंबर 2020 तक आयुष्मान भारत योजना के तहत जिला ऊर्ध्व में 17,161 परिवार पंजीकृत थे तथा इसके बाद 27 अप्रैल तक इस योजना में 6,829 नए परिवार शामिल हुए हैं तथा अब पंजीकृत परिवारों की संख्या 23,990 हो गई है। केंद्र ने कहा कि यदि सरकार ने आयुष्मान भारत योजना को सुरुआत 1 अप्रैल, 2018 को की थी।

आयुष्मान भारत योजना का उद्देश्य गरीब, वृद्ध, प्रसूत, परिवारों और शहरी क्षेत्रों के परिवारों को निश्चित कैटेगरी को स्वास्थ्य बीमा का लाभ देना है, ताकि पैरों के अन्ध में गरीब वर्ग को चिकित्सा सुविधाओं से वंचित न रहना पड़े। उन्होंने कहा कि योजना के तहत परिवार को 5 लाख रुपये तक के कोविड काल में मनरेगा के माध्यम से घर द्वार तक ले जाया जा रहा है। कोविड-19 के चलते मनरेगा योजना के लिए मिली मदद का काम नहीं है। बावजूद तभी भी परिवार कोविड काल में अपने पैरों में चढ़ाया जा रहा है। कोविड-19 के चलते मनरेगा योजना के तहत जिला ऊर्ध्व में 17,161 परिवार पंजीकृत थे तथा इसके बाद 27 अप्रैल तक इस योजना में 6,829 नए परिवार शामिल हुए हैं तथा अब पंजीकृत परिवारों की संख्या 23,990 हो गई है। केंद्र ने कहा कि यदि सरकार ने आयुष्मान भारत योजना को सुरुआत 1 अप्रैल, 2018 को की थी।

